बेरी तू राम भजेलो कब रे देसी भजन लिरिक्स

बेरी तू राम भजेलो कब रे,

दोहा – गोरे गोरे तन पे तू,
बावरे गुमान करे,
रंग सो पतंग तेरे,
कल उड़ जाएगो।
धुए के सो धन तेरो,
जाते ही न लागे बार,
चौराहे को माल नहीं,
चोहटे बिकाएगो।
मानुष की देह तो,
जीवत ही आवे काम,
मरया पाछे स्वान काग,
कुतरा नी खाएगो,
यह दुनिया है तानसेन,
छोड़ दे माया की धुन,
बंद मुट्ठी आयो बंदे,
खाली हाथ जाएगो।

होट कंठ रुक जासी थारा,
अंत समय में जब ये,
बेरी तू राम भजेलो कब रे,
बेरी तू राम भजे लो कब रे।bd।

करियो कोल उदें मुख झूल्यो,
मात गर्भ में तब रे,
तेरे साय करि नारायण,
भोंदू भुलयो अब रे,
बेरी तु राम भजे लो कब रे।bd।

मेरा मन मोह में उलज्या,
स्वार्थ गरजी सब रे,
सब ही अपनी गरज मिटावे,
अपनी अपनी ढब ये,
बेरी तु राम भजे लो कब रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राम भजन और पुरुषार्थ का,
अवसर मिला गजब रे,
ऐसा रत्न रेत में खोवे,
सो नर जाण खजब रे,
बेरी तु राम भजे लो कब रे।bd।

आत्म ही परमात्मा जाणो,
अल्लाह अलख वही रब रे,
भारती पूरण सब घट घट में,
सांचा यही मजहब रे,
बेरी तु राम भजे लो कब रे।bd।

होट कंठ रुक जासी थारा,
अंत समय में जब ये,
बेरी तू राम भजे लो कब रे,
बेरी तू राम भजे लो कब रे।bd।

गायक – पुरण भारती जी महाराज।
Upload By – Aditya Jatav
8824030646

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com